RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 26 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 30 नवम्बर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

श्रीमती हीरा देवी धर्मशक्तू से बातचीज

तल्ला से मल्ला जोहार तक उठाई आवाज



- होकरा की बंशावली के श्याम सिंह जी, जो जोहारी होकर रहे
- ल्वांल परिवार में जन्मी हीरा देवी पहली प्रधान व जिपं सदस्य
- दुर्गा सिंह मर्तोलिया के साथ आन्दोलनों की आवाज बनी थी
- अपनी हस्तकला-कताई-बुनाई के बल पर मुकाम पाया है
- संदेश- ईमानदारी से किया गया कार्य जरूर फलता है

कार्यालय प्रतिनिधि

हस्तशिल्प और अपने पहाड़ को बचाने के लिये आवाज उठती रहती है लेकिन इस आवाज के सच्चे साथियों की संख्या गितनी भर में है, जो हमेशा अपनी धुन में रहते हैं और हर हाल वही करते हैं जो उन्होंने सीखा था। ऐसी की हस्तशिल्पी और सीमान्त क्षेत्र का आन्दोलनकारी नाम है- हीरा देवी। 15 अगस्त 1952 को माता श्रीमती मोहनी देवी पिता दयान सिंह ल्वांल के घर मुनस्यारी में जन्मी हीरा देवी अपने क्षेत्र की पहली महिला ग्राम प्रधान फिर जिला पंचायत सदस्य रही हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने हस्तशिल्प को बनाए रखा, जिसका कौशाल आज भी बरकरार है। वह बताती हैं कि पिता जी ने क्वीरीजिमिया फिर जलद ग्राम छोड़कर मुनस्यारी में ही रहना शुरू कर दिया था।

मुनस्यार में जन्म और फिर यहीं पढ़ाई के कारण यह हिमनगरी की रग-रग से बाकिफ हैं। इनका विवाह श्याम सिंह जी से हुआ। श्रीमती हीरा देवी धर्मशक्तू बताती हैं कि श्याम सिंह जी मूल रूप से होकरा मेहता बंशावली के हुए। ससुर उत्तम सिंह जी एक बार कैलास यात्रा पर गये हुए थे, बीमार होने के बाद धर्मशक्तू परिवारों ने उनको संरक्षण दिया, उस दौर में वह अपने घर भी नहीं गये और 'धर्मशक्तू' नाम से ही पहचान हो गई। सास दानू परिवार की ध्यैनी हुई। इस प्रकार होकरा के बजाय जोहार से परिवार का नाता जुड़ गया। डॉ. शेर सिंह पांगती ने अपने अध्ययन में भी इस बात का उल्लेख किया हुआ है। ससुर जी बहुत मिलनसार और मेहनती थे, उनके संरक्षण में परिवार ने तरक्की की। वह बताती हैं कि विवाह के बाद मैं संयुक्त परिवार में थी और खेती का काम न आने के कारण ग्वालों के साथ गायों को चुगाने जाती थी। जंगल में ग्वालवालों को एकत्रित कर पढ़ाई भी करते थे। समय के साथ जिम्मेदारी बढ़ती गई लेकिन जन भागीदारी का हिस्सा भी बनती रही। महिलाओं को एकत्रित कर समूह का गठन किया और दुर्गा सिंह मर्तोलिया को भी बुलाया। महिलाओं की जागरूकता देखते हुए नानासेम, सुरिंग, दरकोट, दुम्मर, तल्ला दुम्मर, तममा गाँवों से बुलावा आया कि हमारे वहाँ भी महिला संगठन बनाने के लिये मदद करो, किस प्रकार से कार्य कर रहे हो। दरकोट में तो पहले से भी संगठन था, फिर भी शेर सिंह मास्साब ने कहा, 'हीरा, महिलाओं को जागरूकता के लिये आओ।' तब मैं अपने छोटे बेटे को साथ लेकर जाती थी, रविवार को महिलाओं की बैठक होती, इस बीच बेटा (गणेश) अपनी पढ़ाई करता रहता और साथियों के साथ खेलता। इस तरह से कार्य देखते हुए लोगों को लगा कि मैं नेतृत्व कर सकती हूं और उन्होंने मुझे प्रधान बनाया। मैं तो एक बार पीछे हट गई थी, घर में भी कहने लगे कि पहले नेता बनाएंगे फिर सुनना-सहना पड़ेगा लेकिन समाज से उठी आवाज ने प्रधान बना दिया।

यूट्यूब चैनल में विस्तार से बातचीज- Pighaltahimalay

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आन्दोलनरत दुर्गा दा (पिघलता हिमालय के संस्थापक स्व. दुर्गा सिंह मर्तोलिया) प्रोत्साहित करते रहते थे। अपनी पढ़ाई के दौरान भी मैं दुर्गा सिंह जी प्रभावित थी क्योंकि जब हमारी सांस्कृतिक टीम नैनीताल व अन्य स्थानों पर गई, दुर्गा दा नैनीताल डिग्री कालेज के अध्यक्ष थे।

पुरानी यादों पर लौटते हुए वह बताती हैं कि माया साह मैडम ने उन्हें बहुत प्रोत्साहित किया और स्कूल के अतिरिक्त पठन-पाठन पर ध्यान दिया। एक बार अल्मोड़ा में बृजेन्द्र लाल साह साह जी ने आकाशवाणी में बोलने का अवसर दिया। तब बहुत लोगों का सन्देश आया कि हमारे इलाके में आकर महिला जागरूकता पर जानकारी दें। वह बताती हैं कि 1962 में बागेश्वर के रास्ते होते हुए अल्मोड़ा फिर नैनीताल रैली में गये। नैनीताल में पीने के लिये ताल का पानी पीना था, जिसमें मछली की बास आ रही थी, हम लोग मुनस्यारी का ठण्डा पानी पीने वाले हुए। बाद में 1984 में महिला मंच नैनीताल की कमला पन्त, उमा पाठक ने बुलाकर सम्मानित किया। वह कहती हैं कि यदि वह अपनी हस्तशिल्प परम्परा को नहीं निभाती तो कहीं की नहीं रहती क्योंकि 1988 पूरे समाज ने उन्हें प्रधान तो बना दिया लेकिन सरकारी कामकाज तरीकों में राजनीति की चाल मुझे आती नहीं है। अपनी मेहनत और अपनी लगन से आगे बढ़ते हुए दन, चुटके, पश्मिना, शाल इत्यादि सब हस्तकला का लाभ रहा। मेरी इस मेहनत को सराहना मिली और दूर दूर तक इनकी मांग रही है। अक्टूबर 2002 तक जिला पंचायत सदस्य भी रही, उसके बाद मैंने राजनीति से कान पकड़ लिये क्योंकि जिस लगन से मैं कार्य करवा रही थी उनकी देखरेख और भुगतान का सरकारी तरीका हमारी

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

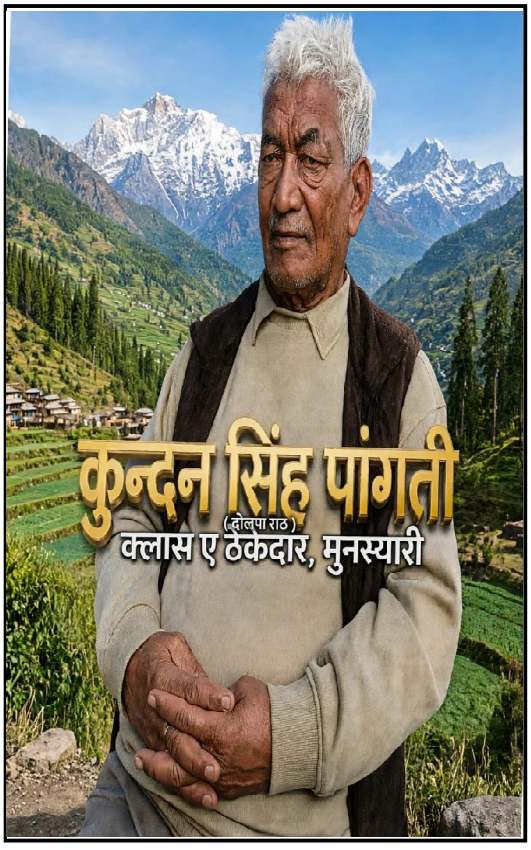
पिघलता हिमालय

खलिया टॉप : सुविधाओं के नाम पर उजाड़ मत बनाओ

प्रकृति के उपहार की यदि दुर्गति की जाएगी तो वह हमारे विनाश का कारण बनेगा। मानव सभ्यता ने अपने रास्ते सुगम बनाने के लिये प्रकृति का अति दोहन शुरू कर दिया है, जिसका परिणाम जलवायु परिवर्तन के रूप में दिखाई भी देने लगा है। विश्व मंच पर जलवायु परिवर्तन की चिन्ता करते हुए जैव विविधता और इसके संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है लेकिन अपने तुरन्त लाभ को देखते हुए कई बार हम गलती कर रहे हैं। इस पर काबू करना जरूरी है। ऐसी ही एक रिपोर्ट समाजसेवी श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने हिमनगर मुनस्यारी के खलिया टॉप भ्रमण के बाद दी है।

मुनस्यारी शहर के सबसे निकट खलिया टॉप को पिकपिक और बर्फ देखने के अवसर का अड्डा मानते हुए बड़ी संख्या में लोगों का जाना हो रहा है। ऐसे में पर्यटन कारोबार अपनी जगह है लेकिन प्रकृति की सुरक्षा के लिये सजगता के बिना भविष्य के लिये सबकुछ नुकसान देने वाला होगा। अपने भ्रमण के बाद श्रीराम धर्मशक्तू ने जल के मुख्य स्रोतों तक जा रही भीड़ और गन्दगी को गम्भीर समस्या बताया है। जंगल सुरक्षा व जल स्रोतों के संरक्षण के लिये नारेबाजी, पोस्टरबाजी, निबन्ध प्रतियोगिता भर से कुछ नहीं होगा। इसके लिये हमें अपने प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखना है। खलिया टॉप तक सड़क की बात हो रही है जो खतरे को बढ़ावा देगी। दुर्गम क्षेत्रों में सड़क संचार होना ही चाहिये लेकिन खलिया टॉप जैसे इलाकों को सुरक्षित रखना भी जिम्मेदारी है। यदि इनमें पैदल यात्रियों की जगह गाड़ियों की रेलपेल होगी तो जंगली जानवरों को भी खतरा होगा और भूस्खलन की सम्भावना होगी।

सीमा सुरक्षा के लिये सड़कों का होना अच्छी बात है, इससे माइग्रेशन पर आने-जाने वालों को भी सुविधा होगी और आवश्यक चीजों की आपूर्ति होगी। इसके लिये स्थानीय स्तर युवाओं को जोड़ना चाहिये ताकि वह अपने रोजगार के साथ ही जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा के उपाय करें। प्रकृति प्रदत्त चीजों को उपहार मानकर लूटना न्यायसंगत नहीं है। प्रकृति की अनुपम छटा को देखने के लिये देश-विदेश के सैलानी इस दूरस्थ तक आते हैं। ऐसे में सरकार के अलावा हर किसी को इस गम्भीर मसले पर केवल विचार ही नहीं करना है बल्कि इसे व्यवहार में भी लाना होगा। क्षेत्रवासियों को अपनी उपयोगिता के लिये सुविधाओं के अलावा अपने रोजगार के लिये जितना भर करना है वह तो ठीक है लेकिन हमारे बुजुर्गों की प्रकृति पूजा की बात को मान्यता देना होगा। हमारे हिमालय, हमारे जल-जंगल, हमारी संस्कृति से ही हमारा उत्थान है।



फसक



दाज्यू, चट्टम-चाट में ढुरक जाने वाले ठैरे

जब आंखें बरमाण्ड में हों तो सबकुछ अपना ही दिखता है बल

दाज्यू, विधानसभा चुनाव से पहले पूरे प्रदेश में गुमास्तागिरी शुरू हो चुकी है। लगुवा-भगुवा इसी मौके की तलाश में थे। वैसे भी चट्टम-चाट में ढुरक जाने वाले ठैरे। जिधर से खुरचन निकले वहीं लपलप होती है। भपलू बता रहा है- 'टिकट वितरण में बहुत उलट-पुलट होने जा रही है। आजकल के हालातों को देखकर हाईकमान पसीने में नहा रहा होगा।' दाज्यू, किसको क्या जो कहा जाए? नेता भी तो बेशुमार हो चुके हैं। ऊपर से सब चढ़ाई करने को तैयार हैं। जब आंखें बरमाण्ड में हों तो सबकुछ अपना ही दिखता है बल।

लग रहा है चारों दिशाओं में चतुरंगी सेनाएं दौड़ रही हैं। सब मूछों में ताव देकर निपट लेने, दिखा देने, लपेट देने, समेट देने जैसी धमकी दे रहे हैं। मादर-फादर गाली-मुखाली तो दाल-भात हो गई ठैरी। बेलवती भी हरीभरी दिखाई दे रही है। मूसा और मोनू दिनभर नाली सफाई में लगे हैं। कह रहे थे- 'नम्बर आने वाला है। पेट का मल साफ हो जाएगा।' दाज्यू, जौलजीबी मेले का उद्घाटन अभी तक आंखों में रिटी रहा है।

हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में मोबाइल में अश्लील वीडियो देख रहे कक्षा 5 के छात्र ने बच्ची से छेड़छाड़ कर दी बल। घोर कलजुग चल रहा है। एमबीपीजी कालेज में असि.प्रोफेसर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए लौंडेमौडे फोड़योव करने लगे। दाज्यू, बालिका के साथ बेडटैच की बात हो रही है, भगवान जाने क्या जो हुआ। जमाने में गुडटच बेडटैच का मायना बताया जा रहा है। पता नहीं कितने मामले सफेदपोश अपने तरीके से निपटा चुके होंगे। जो न देखा वही अच्छा। दाज्यू, सोनू को बेडटैच के मामले में खूब फतोड़ा था बल। गधे में बैठाकर गढ़वाल की सड़कों पर घूमने के बाद सोनू ने टाई-टोप पहनना शुरू कर दिया। उसके बाद मोनू के साथ मिलकर चरस बेचने लगा था। अब जाकर भक्ति रस में डूबा हुआ है। कह रहा था- 'शरीर रोगों से घिर चुका है।' हल्द्वानी की मण्डी में सब्जी बेचने का काम करने वाला आड़ में स्मैक बेच रहा था। पुलिस ने 64 लाख रुपये की स्मैक के साथ उसे पकड़ लिया। बुलन्दशहर का है स्मैक तस्कर।

दाज्यू, बरमाण्ड घूमता दिखाई दे रहा है। पुलकित आर्य के बौजू कह रहे हैं- 'ट्रायल कोर्ट भी दबाव में थी, कोई वीआईपी नहीं है। अंकिता के दोस्त पुष्पदीप तथा उसके माता-पिता की भूमिका की जांच होनी चाहिये।' हरिद्वार प्रेस क्लब में वकील अनुज पुण्डीर के साथ विनोद आर्य ले मोबाइल चैट की अपनी व्याख्या दी। दाज्यू, भगवान जाने अंकिता मामले में क्या-क्या होगा? प्रेस वार्ता के बाद से विरोध और भयंकर हो चुका है। दाज्यू, 23 साल पुराने जैनी प्रकरण की राख मिलकर युद्ध लड़ने वाले तैयार हैं। असम निवासी इन्दिरा देवड़ी उर्फ जैनी की शिकायत पर पूर्व कबीना मंत्री हरक सिंह रावत के खिलाफ असम के गुवाहाटी स्थित पानबाजार महिला थाने में 17 धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है बल। शोषण, बन्धक बनाने, साक्ष्य मिटाने जैसे आरोपों से घिरे हरक सिंह बात-बात पर नाचने वाले ठैरे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

तल्ला से मल्ला.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

समझ से बाहर था। इस प्रकार राजनीतिक कार्यकाल कष्टों में गुजरा। तब बहुत कार्य करवाए, जो आज भी याद किये जाते हैं। हमारी ग्राम सभा बहुत बड़ी थी, तब गिनीगांव, गिरगांव एक ही था लेकिन पुल नहीं था। पंचायतीराज मंत्री से निवेदन कर क्षेत्र में कार्य करवाए। विकास के लिये बहुत कल्पनाएं थी और कागजों में बहुत पैसा था लेकिन व्यवहार में बजट नहीं मिल रहा था, ऐसे में कमिश्नर तक अपनी बात रखी। इन सूचनाओं को तत्कालीन समचार पत्र में 'प्रधान हीरा देवी परेशान' शीर्षक से प्रकाशित किया था। तब यूपी के जमाने में सीडीओ गिरीश चन्द्र पाण्डे जी लखनऊ में पढ़ा और तुरन्त पिथौरागढ़ आकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हीरा देवी के प्रस्तावों को देखा जाए। इस प्रकार अपने इलाके के विकास में सफलता प्राप्त की।

आज अपने जीवन के उत्तरार्द्ध में भी श्रीमती हीरा देवी अपनी परम्परागत कुटीर उद्योग को स्थापित किये हुए हैं और युवाओं को प्रोत्साहित करती हैं। उनकी दूरदृष्टि व लगन से परिवार ने मुकाम पाया है। उनके सुपुत्र डॉ. गणेश, पुत्री पुष्पा और रंजना भले ही सफलता की श्रेणी में हैं लेकिन उन्होंने पहाड़ के श्रम और साहस को हमेशा याद रखा है।

कुम्भ की तैयारियां, आस्थापथ का विस्तार

हरिद्वार। कुम्भ 2027 की तैयारियों के तहत धनुष पुल से बैरागी कैम्प तक आस्थापन का विस्तार किया जा रहा है। इसमें 270 मीटर लम्बा एलिवेटेड मार्ग भी शामिल है। मेलाधिकारी सोनिका ने पैदल निरीक्षण के बाद कहा कि हरकी पैड़ी आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को इससे लाभ होगा।

आपके पत्र

सम्पादक, नमस्कार। पिघलता हिमालय का नवीनतम मिला।

इस बार का अंक चुनावी राजनीति के दंगल पर केन्द्रित किया गया है। इस पर सम्पादकीय में भी अच्छा कटाक्ष किया है आपने। अन्य विविध पठनीय सामग्री से भी भरपूर है यह अंक। एतदर्थ आप एवं आपकी सम्पादकीय टीम को बहुत बहुत साधुवाद।

आज की राजनीति में शुचिता नैतिकता एवं जनाधारित विकास की बात करना बेमानी है। आपने अपने सम्पादकीय में अच्छा कटाक्ष किया है। सचमुच में आम जनता को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले माननीय स्वयं हवसपूर्ण अनैतिकता के दल-दल में बहुत गहराई तक फंसे और धंसे हुए हैं। यह कम से कम इस देवभूमि उत्तराखण्ड के लिए बेहद शर्मनाक बात है।

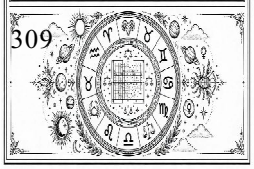
यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि आज की राजनीति को बेशर्मी की हद तक पहुंचाने में हमारे ही वोटों की बदौलत कुर्सी (राजगद्दी) पर बैठे हमारे इन तथाकथित माननीयों का ही बड़ा योगदान है। जनविकास के मुद्दे अब हाशिए पर धकेल दिए गए हैं। अब घिनौने आरोप प्रत्यारोपों के बीच चुनावी दंगल की दरिया में नैया पार लगाने की आश पाले हुए हैं। वैसे तो सभी राजनीतिक दलों के चाल-चरित्र मानसिकता एवं नैतिकता समान रूप से संदिग्ध ही कही जा सकती है? विकास की सोच तो इनकी सिरे से गायब ही देखी जा सकती है। हां भ्रष्टाचार संसाधनों की लूट-खसोट गुण्डागर्दी हत्या बलात्कार चरम सीमा तोड़ रहे है। सबसे बड़ा आश्चर्य इस बात का है कि शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार-सृजन खेती-किसानी पशुपालन बागवानी और छोटे मोटे उद्योग धन्धे अब चुनावी मुद्दे नहीं रहे??

अब मतदाता भी आश्चर्यचकित हैं कि मतदान के वक्त उनके दबाए ईवीएम के बटन भी बदल जा रहे हैं। आज चुनावों में सत्ता-बल धन-बल छल-बल शक्ति-बल आदि हावी हो गए हैं। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की उम्मीद व्यर्थ है।

-रतनसिंह किरमोलिया

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ज्योतिष की बातें



25 नवम्बर 2026 को वक्री गति से चलते हुए केतु स्पष्टमान से शत्रुराशि कर्क में प्रवेश कर गया है। केतु जब-जब किसी अन्य ग्रह से युति करेगा तब-तब वह उस ग्रह के फल भी प्रदान करेगा अन्यथा अकेला रहने पर अपने ही फल स्वतन्त्र रूप से जातकों को प्रदान करता है। फलदीपिका के अनुसार त्रिषडाय भावों में केतु शुभ होता है। अत: अगले डेढ़ वर्ष केतु शारीरिक बलिष्ठता, राजनीति, सट्टा-लाटरी एवं छल-कपट आदि अपने कारक विषयों में वृषभ, कुम्भ व कन्या राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा। अन्य सभी राशियों को यत्किंचित् कष्ट की अनुभूति होगी। 2 दिसम्बर 2026 को बुध समराशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मंगल की क्रूरदृष्टि भी पड़ेगी अत: बुध निर्बल रहेगा। फिर भी बुध बुद्धि, व्यवसाय, आदि अपने कारक विषयों में अगले 20 दिन तुला, सिंह, मिथुन, मेष, कुम्भ व मकर राशि के जातकों को अल्प मात्र में शुभफल प्रदान करेगा।

श्री कालभैरवाष्टमी- मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष की अष्टमी मध्याह्न से प्रदोष तक व्याप्त रहने वाली तिथि में अथवा प्रदोष व्यापिनी अष्टमी तिथि में भैरव जयन्ती का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 1 दिसम्बर 2026 को भैरव जयन्ती का पर्व मनाया जाएगा। जिनकी जन्मकुण्डली में केतु अशुभ है अथवा केतु की महादशा या अन्तर्दशा चल रही है उन्हें यह पर्व अवश्य ही मनाना चाहिए और श्री कालभैरवाष्टकम् का श्रद्धापूर्वक पाठ करना चाहिए। शुभं भवतु !

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

वन राजि जनजाति को बचाना जारी

नैनीताल। उच्चन्यायालय में उत्तराखण्ड की वन रावत और वन राजि जनजाति का अस्तित्व खतरे में होने को लेकर दायर जनजहित याचिका पर सुनवाई करते हुए खण्डपीठ ने मामले को अति गम्भीर मानते हुए वन राज की समस्याओं के निदान करने के लिये क्षेत्र में अध्ययन कर चुके विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है। समिति में कुविवि के डीएसबी परिसर वानिकी से बीएससी कर हरे वन राजि जनजाति के एकमात्र छात्र मुकेश रजवार को भी शामिल किया गया है। कोर्ट ने मुकेश को क्षेत्र से जुड़ी सभी समस्याओं को समिति के अन्य सदस्यों को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारीव न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने छात्र को पिथौरागढ़ दौरे के लिये दस हजार रुपये भुगतान करने के निर्देश भी दिए। समिति से 6 सप्ताह में रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने कहा है।

जौलजीबी मेले की चिंगारी सुलगी हुई है



धारचूला-मुनस्यारी सीट अतिसम्वेदनशील

- जौलजीबी मेले में उठी लपटों के कारण वैमनस्यता बढ़ती जा रही है
- एक-दूसरे की पोल खोलते नेता अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं
- कांग्रेस ने सीएम धामी और भाजपा ने विधायक धामी का पुतला फूंका
- अपने नेता को खुश करने के लिये भी बयानबाजी करने की होड़ मची
- यह लड़ाई कई नेताओं और छुटभैयों के लिये हर-हमेशा की गांठ बनी
- माफी नहीं मांगूगा चाहे गर्दन कट जाए : विधायक हरीश धामी
- सारी मर्यादाएं ऊपर से लेकर नीचे तक टूट रही हैं : पुष्कर सिंह धामी
- व्यापार संघ और क्षेत्रवासियों ने संयमित होकर मेले का माहौल बनाया

पि.हि.प्रतिनिधि

भारत-नेपाल सीमा पर काली-गोरी नदी के संगम पर लगने वाले ऐतिहासिक जौलजीबी मेले के उद्घाटन अवसर पर लगी चिंगारी सुलगी हुई है और इसका सीधा सा असर चुनाव दंगल पर होना है। ऐसे में धारचूला-मुनस्यारी विधानसभा सीट अतिसम्वेदनशील रूप में देखी जा रही है। मेले में उठी लपटों के कारण वैमनस्यता बढ़ती जा रही है। एक-दूसरे की पोल खोलते नेता अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। अपने नेता को खुश करन के लिये भी जिस तरह की बयानबाजी करने की होड़ मची। ऐसे में यह लड़ाई कई नेताओं और छुटभैयों के लिये हर-हमेशा की गांठ बन चुकी है। कांग्रेस ने सीएम पुष्कर धामी और भाजपा ने विधायक हरीश धामी का पुतला फूंक कर अपनी विरोध प्रदर्शन किया। डीडीहाट, धारचूला, पिथौरागढ़, जौलजीबी, अस्कोट, मुनस्यारी, बेरीनाग, गंगोलहाट, चम्पावत, टनकपुर, खटीमा तमाम जगह पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर नारेबाजी की। डीडीहाट बाजार में प्रदर्शन के दौरान हाथापाई तक हो गई।

उल्लेखनीय है कि 14 नवम्बर को जौलजीबी मेले के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उद्घाटन कर जाने लगे थे उस समय भारी बबाल मच गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे विधायक हरीश धामी को सुने बगैर ही सीएम का जाना और उसके बाद माइक का बन्द होना विधायक और उनके समर्थकों को गुस्से से भर गया। मंच पर ही तोड़फोड़ होने लगी। साथ ही विधायक ने अपने स्वभाव के अनुसार मुख्यमंत्री पर बरसते हुए उन्हें कायर तक कह डाला। गुस्से का गुब्बार रुका नहीं, वह बोलते रहे। इसके बाद कार्यकर्ताओं की ओर से भी तीखे बोल हुए। ऐसे में भाजपा की ओर से भी विधायक के लिये गुण्डा और भ्रष्टाचारी से लेकर तमाम तरह के आरोप लगाये गये। इस बबालबाजी के बीच दोनों पार्टी के कार्यकर्ता एक-दूसरे से माफी मांगने की बात करने लगे। कांग्रेसी कहने लगे सीएम ने सभा अध्यक्ष को सुने बगैर जाकर क्षेत्र का अपमान किया है, वह विधायक और जनता से माफी मांगे। भाजपाई कहने लगे विधायक ने गुण्डागर्दी की है इसलिये वह सीएम और जनता से माफी मांगे। दोनों ओर के बड़े नेता अपना पक्ष रखते हुए बचाव करने लगे। अगले दिन विधायक समेत कई नेताओं पर मुकदमा दर्ज हो गया। इनमें हरीश धामी, राम सिंह रोकया, सौरभ मर्तोलिया, नृप सिंह, मनोहर टोलिया, विक्रम दानू हैं। तोड़फोड़, सरकारी कार्य में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर पुलिस अपना काम करने लगी जबकि नेतागण लगातार सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते रहे।

इस बीच जौलजबी व्यापार संघ और क्षेत्रवासियों ने संयमित होकर मेले का माहौल बनाया। व्यापार संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र धर्मशक्तू सहित अन्य लोगों ने सभी से अपील की गई कि इस परम्परागत मेले को सौहार्दपूर्वक मनाने में सहयोगी बनें। जिस किसी को भी राजनीति करनी है वह जौलजीबी से बाहर जाकर करे क्योंकि इससे इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले पर किसी प्रकार का गलत असर न हो। व्यापार मण्डल ने बाहर से आये सभी व्यापारियों को सुरक्षा व सहयोग के लिये भी मदद करने में अगुवाई की।

लगातार जारी बयानबाजी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धारचूला विधायक के लिये कहा कि जिस प्रकार की कल्पना बच्चे से भी नहीं की जा सकती है वह सब हताशा निराशा में करने लगे हैं। जनता सब देख रही है कि किस प्रकार की अर्मादित व्यवहार कर रहे हैं। आने वाले दिनों में जनता उन्हें नकारने वाली है। विधायक हरीश धामी ने साफ शब्दों में कहा कि जौलजीबी में जो कुछ हुआ उसके लिये वह माफी नहीं मांगेंगे क्योंकि वह जनता की आवाज उठा रहे थे। यदि उसे गुण्डई माना जाता है तो वह जनता के पक्ष में बार-बार ऐसा करेंगे। उत्तेजित विधायक ने शासन के अलावा प्रशासन को तक ललकारा कि उनके कार्यकर्ताओं को हाथ लगाया तो, उखाड़ फैकेंगे। इसके बाद भाजपा की ओर से धुंआधार पोस्ट प्रचारित की गई हैं और पुलिस ने कार्यवाही करते हुए पकड़-धकड़ की।

कुल मिलाकर जौलजीबी का मेला इस बार अपनी उस रमक में पीछे रह गया जिसके लिये इसे जाना जाता है क्योंकि चुनाव दंगल का पूरा असर इसमें है और सोशल मीडिया पर अपने को दिखाने, भड़ास निकालने वाले अजब गजब माहौल बनाने को आतुर रहे हैं।

सम्यक् विचार



भगवान की नकल करना

भगवान के अवतारों में उनका शरीर दिव्य होता है। केवल उनका ही नहीं बल्कि उनके साथ लीला करने वाले हजारों लाखों लीपापरिकरों का भी शरीर दिव्य होता है, चिन्मय होता है। भगवान की लालाएं भी बड़ी विचित्र और दिव्य होती हैं। उनका शरीर मनुष्यों की तरह पांचभौतिक नहीं होता है। जो व्यक्ति भगवान को मनुष्य मानता है वह नरकगामी होता है।

भगवान के कार्यों का अनुगमन हम नहीं कर सकते। यदि कोई महिला कहे कि वह भी द्रौपदी की तरह पांच पति रखेगी तो यह मूर्खता है। यदि कोई पुरुष कहे कि जिस प्रकार भगवान ने (जाम्बवान्) भालू की पुत्री (भालू) से विवाह किया था तो मैं भी एक माता भालू को अपने घर में पत्नी की तरह रखूँगा तो यह उसकी मूर्खता ही है। इतिहास पुराणों में जो भी घटनाएं वर्णित हैं वे सभी हमारे नकल करने के लिए नहीं हैं।

नियम यह है कि ''भगवान ने जैसा किया है वैसा हमें नहीं करना है बल्कि जैसा उन्होंने करने के लिए कहा है वैसा करना है।'' और भगवान ने क्या कहा है इसका वर्णन आदि धर्मशास्त्रों में पाया जाता है। वैसा ही हमें करना चाहिए। ''नकल तो हम अपने माता-पिता की भी करने के लिए कहते हैं वैसा करते हैं।'' यही शास्त्र मर्यादा है।

एक और विशेष बात यह है कि अपने ग्रन्थों में जो लिखा है उसका केवल शब्दार्थ करने वाला व्यक्ति मूर्ख होता है। उसका भावार्थ ग्रहण करना चाहिए। सोशल मीडिया में हिन्दू धर्मग्रन्थों का, उसमें वर्णित विभिन्न घटनाओं के कारण, जो मजाक उड़ाया जाता है वह वास्तव में शब्दार्थ करने के कारण है। यदि हम अपने किसी एक भी ग्रन्थ का पूर्ण रूप से अध्ययन कर लें तो ज्ञान हो जाता है, भ्रम दूर हो जाता है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

भारत-मलेशिया सैन्य अभ्यास

देहरादून। भारत और मलेशिया के बीच रक्षा सहयोग को नई मजबूती देने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास हरिमऊ शक्ति वीआई से मलेशिया के इपोह में हुआ। अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के अध्याय सात के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों में दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और सामरिक क्षमता विकसित करना है।

अभ्यास के दौरान जंगलों और अर्ध शहरी क्षेत्रों में संयुक्त सैन्य अभियानों पर विशेष ध्यान दिया गया। इससे दोनों देशों की सेनाओं ने अपनी प्रशिक्षण पद्धतियों का अनुभव साझा किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

परिहार हत्याकांड जांच पर उठे सवाल

बागेश्वर। बागनाथ वार्ड निवासी अधिवक्ता धीरेन्द्र परिहार हत्याकाण्ड में परिवार ने जांच पर सवाल उठाए हैं। समर्थन में लोगों ने प्रदर्शन कर जांच को कहा है।

परिक्रमा



फचैऽक

ब्वारी छन रीलन में रोज बिजी, सबन थैं लाइक करो कुनई बुतिधाणि करण में नौ नख्र, यूट्यूब में करतूत कैं देखूनई यूट्यूब में करतूत कैं देखूनई, नौकरी करनी च्याल शहरन में ब्वारिनकि टौर देखि बुड्बाड़ि, दाड़ि कैं किसनी घर घरन में जमानकि यो बलिहारी छु हो, के कूछात घर में है जां कजी नौकरी में च्यालनकि बुरगत, ब्वारी छन रीलन में रोज बिजी।

गणेश पाण्डेय

विनोद आर्य का नार्को टेस्ट की मांग की है

हरिद्वार। अंकिता के माता-पिता ने मुख्य आरोपित पुलकित आर्य के पिता विनोद आर्य का नार्को टेस्ट कराने की मांग भी की है।

चुनाव सामने देख आपा खो बैठे हैं धुरन्धर नेता

विधानसभा चुनाव को सामने देख प्रदेश के धुरन्धर नेता आपा खो चुके हैं। हर हाल पार्टी टिकट की चाह और किसी भी तरह अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिये हर प्रकार की ताकत का प्रदर्शन किया जाने लगा है। टिकट और चुनाव के इस पूरे खेल में बहुत कुछ बदलता दिखाई दे रहा है। दिखते हालातों में आश्चर्यजनक परिणाम आने की उम्मीद है। चुनाव के अन्तिम दिनों सारे समीकरणों का उटलफेर होता रहेगा। प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर मची धमाचौकड़ी से कार्यकर्ता भी असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं।

यूकेडी की तैयारियों में इस बार कई ऐसे चेहरे दिखाई दे रहे हैं जो चुनाव गणित में असरकारी होंगे। प्रदेश में दल तीसरी ताकत के रूप में तो है ही लेकिन सवाल है क्या इस बार इसे सफलता मिलेगी?

लोहाघाट सीट पर टिकट को लेकर उलझन बनी हुई है। कांग्रेस की ओर से मोहन सिंह ढेक (मुन्ना ढेक) ने ताल ठोकते हुए कहा है कि पार्टी टिकट न मिलने पर वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे जबकि इस सीट पर विधायक खुशाल सिंह अधिकारी धनबल से मजबूत माने जाते हैं लेकिन उनके घर के बाहर ही समर्थकों की ओर से नारेबाजी ने चर्चा को जन्म दिया। इसी प्रकार भाजपा की ओर से पूर्व विधायक पूरन फर्त्याल टिकट के लिये पहले नम्बर पर हैं लेकिन दूसरे दावेदारों के बाद समीकरण क्या होगा, समय बता देगा। फर्त्याल ने भाजपा में बीस साल पूरे होने पर शक्ति प्रदर्शन किया जिसमें भारी भीड़ जुटी लेकिन भाजपा के तमाम नेता नदारत थे जिससे साफ गुटबाजी दिखाई दी।



- टिकट काटकर नये चेहरों को उतारेंगी पार्टी, सर्वे नेता परेशान हो उठे
- पार्टी टिकट न मिलने पर मोहन सिंह ढेक लोहाघाट से निर्दलीय लड़ेंगे
- भीमताल सीट पर हरीश पनेरू डटे हुए हैं, भाजपा से टिकट हेतु दांव
- पिथौरागढ़ से महेन्द्र लुंठी तैयार, ऐसे में मुकाबला चतुषकोणीय होगा
- सोमेश्वर सीट पर नया चेहरा दिखाई देगा, रेखा-साहू झगड़े का असर
- गंगोलीहाट सीट पर भीमकुमार और खजान गुड्डू रणनीति में अग्रणीय
- चम्पावत सीट पर होमेश और निर्मला का दांव, मुश्किल में कांग्रेस
- धारचूला सीट पर वीरेन्द्रानन्द भाजपा से आगे, प्रदीप पाल सहित अन्य
- यूकेडी तीसरी ताकत के रूप में है, सवाल है क्या इस बार सफल होगी

भीमताल सीट पर कांग्रेस के हरीश पनेरू डटे हुए हैं। आन्दोलनकारी के रूप में उनकी हर जगह उपस्थिति के कारण वह बेहद मजबूत नेता हैं जबकि धनबल के साथ लाखन सिंह भी टिकट की चाह में हैं। दूसरी ओर भाजपा से मंत्री रामसिंह कैड़ा दांव चल रहे हैं ताकि पार्टी सिर्फ उनको टिकट दे। इस सीट पर अन्य नेताओं ने भी टिकट की मांग की है।

पिथौरागढ़ सीट पर कांग्रेस से निष्कासित महेन्द्र सिंह लुण्ठी निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। ऐसे में यहाँ चतुषकोणीय मुकाबला होगा। यूकेडी के शीर्ष नेता काशी सिंह ऐरी के चुनाव मैदान में उतरने से पूरा चुनाव माहौल रोचक बनने जा रहा है। कांग्रेस से विधायक मयूख महर ताल ठोकेंगे और भाजपा किस चेहरे को मैदान में उतारेगी, यह तय होना है।

चम्पावत सीट पर कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा के दौरे के साथ ही काफी माहौल बना हुआ है लेकिन टिकट को लेकर चल रहे दांवपेच से पार्टी की कमजोरी दिखाई दे रही है। पूर्व विधायक होमेश खर्कवाल टिकट लिहाज से पहले पायदान पर हैं लेकिन उपचुनाव में चुनाव लड़ने वाली निर्मला गहतोड़ का तर्क है कि अब भी उन्हें टिकट दिया जाए। चिराग फर्त्याल युवा चेहरे के रूप में अपनी दांवेदारी कर रहे हैं जबकि अपनी विशेष पहचान रखने वाले डाक्टर विनोद जोशी का दांव कमजोर नहीं मानना चाहिये। भाजपा की ओर से सीएम पुष्कर धामी या उनकी पत्नी श्रीमती गीता धामी का इस सीट पर चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।

विधानसभा धारचूला में मची घमासान के बीच कांग्रेस से तो हरीश धामी ही मुख्य हैं लेकिन भाजपा से नामों की छंटनी होनी है लेकिन इनमें वीरेन्द्रानन्द महाराज का नाम आगे है। माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें मैदान में उतार सकती है क्योंकि वह पहले भी इस सीट पर भाग्य आजमा चुके हैं और लोगों के बीच लगातार सम्पर्क में हैं। इसके अलावा प्रदीप पाल सहित अन्य भी पार्टी टिकट की लाइन में हैं।

बेरीनाग में कालेज रोड को लेकर प्रदर्शन और भाजपा-कांग्रेस का गुब्बार निकलना

बेरीनाग। क्षेत्र की महत्वपूर्ण डिग्री कालेज रोड को लेकर काफी समय से आवाज उठ रही है और इसको लेकर भाजपा कांग्रेस का गुब्बार निकल रहा है। क्योंकि सामने विधानसभा चुनाव 2027 है, साथ ही अपनी राजनीति का उचाटपन भी दिखाना है। बताते चलें कि कालेज रोड की हालत बहुत दयनीय होने के कारण क्षेत्रवासी आन्दोलन का रास्ता निकाल चुके थे। इसके बाद पालिकाध्यक्ष व पूर्व पालिका अध्यक्ष सहित तमाम लोगों ने इस मामले को तेजी से उठाया और कहा कि नगर पालिका में कांग्रेस होने के कारण उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सड़क सुधार के लिये तीखा प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी। इस मामले में विधायक बार-बार आश्वस्त करते रहे कि सड़क का काम पूरा होने जा रहा है।

व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश रावत के नेतृत्व में चल रहे आन्दोलन में डिग्री कालेज सड़क सुधारीकरण, खेल मैदान, उप जिला चिकित्सालय की मांग को लेकर क्षेत्रवासी अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ तो विधायक व उत्तराखण्ड सरकार शहरी विकास मंत्री ने एक माह में कार्य प्रारम्भ करने का आश्वासन दिया, जिस पर धरना समाप्त हुआ लेकिन चार माह बीतने के बाद भी कार्य प्रारम्भ न होने से नाराज लोगों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। सड़क के मामले में व्यापार मण्डल अपना तर्क देता रहा और नगर पालिका तथा भाजपा के साथी अपने तर्क। सब चाहते हैं सड़क बने लेकर इस कार्य का श्रेय ओढ़ने की जिद भी दिखाई दी।

मिलम बेक हाउस
(नियर - टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुन्स्यारी
पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर।
हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक।
आपके लिये लेकर आया है ताजे, स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।
सम्पर्क - 8941807388

सुरेश मेडिकल स्टोर
नियर- टैक्सी स्टैंड, मदकोट रोड़, मुन्स्यारी
सभी प्रकार की दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध
विश्वसनीय सेवा - आपकी सेहत, हमारी प्राथमिकता
मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
शुद्ध ऊनी शॉल, स्वेटर, टोपी, मफलर, कालीन, हस्तशिल्प
सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध
मुन्स्यारी की प्रसिद्ध हस्तशिल्प व ऊनी वस्त्रों का भरोसेमंद केंद्र
मो.- 8755116161, 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

The आत्मा Palace
HOTEL & RESTAURANT
Munsyari
MO- 766681353
theaamapalacehotel@gmail.com
Website- theaamapalacehotel.com

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगढ़ी, नीलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
मो. 9458920379
6396098804
YOGA
MEDITATION
HOMELY
FOOD
LIVE
MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

HOTEL
Bala Paradise
Tiksain, Munsyari
Ph. 05961222237, 9412951678

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुन्स्यारी
गणेश सिंह मर्तोलियी एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क - मो.- 8958525979, 05961-222236, 9411134775

HOTEL LAKSHYA INN
Madkot - Munsyari
(साफ-सुथरा माहौल, बेहतरीन सेवा, उचित मूल्य)
सम्पर्क : 89585 96665, 76183 83028

धमोत होम स्टे
धरमघर / चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 | www.mountainheights.in

नाथ सिंह मर्तोलिया
ग्राम- तल्ला घोरपट्टा, मुनस्यारी
(पिथौरागढ़)

अतुल कुमार अनूप कुमार
अग्रवाल ज्वैलर्स, सदर बाजार
(रानीखेत)

SHARDA PUBLIC SCHOOL, ALMORA
Affiliated to CBSE, New Delhi | Nursery to Class XII | Co-educational English Medium



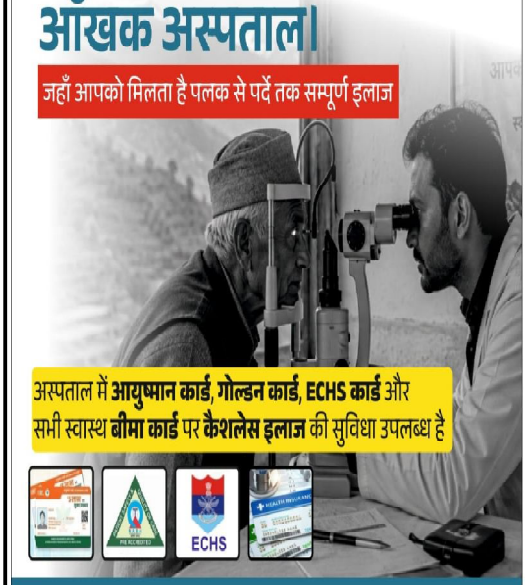
ADMISSIONS OPEN 2026-27 — प्रवेश प्रारंभ

WHY CHOOSE US?
- Experienced Faculty
- Modern Classrooms
- Computer & Science Labs
- Library
- Sports & Cultural Activities
- Safe & Disciplined Environment
- Transport Facility

CONTACT US
Near Circuit House, Dugalkhola, Almora, Uttarakhand - 263601
Ph: 7300502640 | 05962-236611
contact@shardapublicschool.com

Where Learning Meets Values — पढ़ाई के साथ संस्कार
SHAPING FUTURES SINCE • HOLISTIC EDUCATION • VALUE-BASED LEARNING

हल्द्वानी मँ तुमार अपण आँखक अस्पताल।
जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज



अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है
ECHS
शुभान आँखों का अस्पताल
अधिक जानकारी के लिए इन नंबर्स पर संपर्क करें
90681 77738, 9997780135
कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाईंस, हल्द्वानी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)